केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

# माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केव ... जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करे।

| प्रश्न क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक | प्राप्तांक (अंकों में) | प्रश्न क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक | प्राप्तांक (अंकों में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | 17 | | |
| 2 | | | 18 | | |
| 3 | | | 19 | | |
| 4 | | | 20 | | |
| 5 | | | 21 | | |
| 6 | | | 22 | | |
| 7 | | | 23 | | |
| | | | 24 | | |
| | | | 25 | | |
| | | | 26 | | |
| | | | 27 | | |
| | | | 28 | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | कुल प्राप्तांक शब्दों में | | कुल प्राप्तांक अंकों में |
| 1 | | | | | |

003634

Govt. High School Bichua

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्र ... ज ... पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही ।

नि ... बाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा ... गाएं।

| ...परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा |
|---|---|
| R.D. THAKUR (M.S.) V.No. 002691 | Smt. Chandrika Dubey (M.S.) V.No. 00274? |

प्रश्न क्र.

प्रश्न (1) सही विकल्प का चयन (उत्तर) :-

(i) उत्तर :- (अ) भगत जी

(ii) उत्तर :- (स) मराठी

(iii) उत्तर :- (ब) भी

(iv) उत्तर :- (अ) 1556

(v) उत्तर :- (स) दो

(vi) उत्तर :- (ब) अर्थालंकार

6

प्रश्न (2) रिक्त स्थानों की पूर्ति (उत्तर) :-

(i) उत्तर :- तहलका डाटकाम

(ii) उत्तर :- भार

P.T.O

प्रश्न क्र.

(iii) उत्तर :- व्यतिरेक

(iv) उत्तर :- मुक्तिबोध

(v) उत्तर :- तीन

(vi) उत्तर :- पाठशाला

प्रश्न (3) सत्य / असत्य (उत्तर) :-

(i) उत्तर :- असत्य

(ii) उत्तर :- असत्य

(iii) उत्तर :- सत्य

(iv) उत्तर :- सत्य

(v) उत्तर :- सत्य

प्रश्न क्र.

01 (vi) उत्तर :- सत्य

## प्रश्न (4) सही जोड़ी बनाइए :-

| 'क' | | 'ख' (उत्तर) :- |
|---|---|---|
| (i) अंतरंग साक्षात्कार | - | डायरी |
| (ii) हरिवंशराय बच्चन | - | हालावाद |
| (iii) प्रगतिवाद | - | 1936 |
| 07 (iv) यशोधरा | - | खण्डकाव्य |
| (v) कथानक | - | कहानी |
| (vi) संस्कृत के मूल शब्द | - | तत्सम |
| (vii) यशोधर बाबू | - | सिल्वर वैडिंग |

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न (5) एक वाक्य में उत्तर लिखिए :-

(i) उत्तर :- दो

(ii) उत्तर :- मुसीबत के करीब से बचकर आना।

(iii) उत्तर :- मुअन-जो दड़ो।

(iv) उत्तर :- 15-30 मिनट।

(v) उत्तर :-

(vi) उत्तर :- निर्वेद

(vii) उत्तर :-

प्रश्न (6) उत्तर :-
अथवा

P.T.O.

प्रश्न क्र.

| खण्डकाव्य | महाकाव्य |
|---|---|
| (i) खण्डकाव्य में नायक के जीवन के किसी एक अंश के बारे में लिखा जाता है। | (i) महाकाव्य में नायक के सम्पूर्ण जीवन की झाँकी प्रस्तुत की जाती है। |
| (ii) खण्डकाव्य में एक ही सर्ग होता है। | (ii) महाकाव्य में अनेक सर्ग होते हैं। |
| (iii) खण्डकाव्य का कलेवर सीमित होता है। उदाहरण :- मेघदूत (कालिदास) | (iii) महाकाव्य का कलेवर विस्तृत होता है। उदाहरण :- रामचरितमानस (तुलसीदास) |

## प्रश्न (7) अथवा (उत्तर) :-

वीर रस :- शत्रुओं के अस्तित्व को मिटाने तथा समाज मे कुछ अनिष्ट होता देखकर उसे रोकने के लिए सहृदय के हृदय में जो उत्साह नामक स्थायी भाव उत्पन्न होता है, वह वीर रस कहलाता है।

उदाहरण :- बुन्देलो हरबोलो के मुख, हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मरदानी वह तो झाँसी वाली रानी थी॥

P.T.O.

मध्यप्रदेश
...ONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SE... ...ATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY

प्रश्न क्र.

प्रश्न (8) उत्तर :-

भक्तिन का स्वभाव था स्वयं न बदलकर अपने आस-पास के व्यक्तियों को अपने अनुसार बदल लेना। भक्तिन महादेवी वर्मा को भोजन फूलो की ाली में परोसा करती थी यहाँ तक भक्तिन महादेवी वर्मा को भोजन ी देहाती ही परोसती थी जैसे अधिक सिकी हुई रोटियाँ, मटर का लिया, सुबह उठते ही छाछ तथा ज्वार, बाजरे से बने भोजन तत्व इत्यादि। इस प्रकार महादेवी वर्मा भक्तिन के आ जाने से अधिक देहाती ो गई।

B S E

प्रश्न (9) अथवा (उत्तर) :-

| आत्मकथा | जीवनी |
|---|---|
| (i) आत्मकथा में लेखक स्वयं के जीवन की घटनाओं का वर्णन करता है। | (i) जीवनी में लेखक किसी अन्य महान व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन का इतिहासकार के भाँति वर्णन करता है। |
| (ii) आत्मकथा लेखक अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर लिखता है। इसमें लेखक अपने विचार समक्ष रख सकता है। | (ii) जीवनी में लेखक किसी व्यक्ति विशेष के बारे में पाई गई जानकारी तथा तथ्य के आधार पर लेख लिखता है। |

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARY

प्रश्न क्र.

प्रश्न (10) अथवा (उत्तर) :-

राष्ट्रभाषा की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

(1) राष्ट्रभाषा को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त होती है।
(2) राष्ट्रभाषा को संपर्क भाषा भी कह जाता है, एक देश की एक ही राष्ट्रभाषा होती है।
(3) राष्ट्रभाषा का देश की अन्य भाषाओं के साथ परस्पर संबंध होता है।

L
S
E

प्रश्न (11) अथवा उत्तर :-

वाक्य परिवर्तन :-

(i) संयुक्त वाक्य :- बालक रोया और चुप हो गया।

(ii) संदेह वाचक वाक्य :- शायद मयूर वन में नाचता है।

P.T.O

प्रश्न क्र.

## प्रश्न (12) उत्तर :-

मुअनजो-दड़ो की नगर नियोजन की विशेषताएँ :-

(1) मुअनजो-दड़ो का नगर नियोजन चंडीगढ़ और जैसलमेर (राजस्थान) के समान है।
(2) मुअनजो-दड़ो की सड़कों के किनारे नालियाँ ईंटों से ढकी हुई हैं।
(3) मुअनजो-दड़ो के मकान ईंटों के बने हुए हैं। यहाँ के मकानों में सड़क की ओर खिड़कियाँ नहीं हैं।
(4) मुअनजो-दड़ो में कोई भव्य महल अथवा हथियार नहीं पाए गए जिसका अर्थ है यह सभ्यता समाज प्रधान थी।

## प्रश्न (13) उत्तर :-

समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय शैली 'उल्टा पिरामिड शैली' है। इस शैली में सबसे ऊपर सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात कही जाती है और फिर घटती महत्त्वता के क्रम में जानकारी दी जाती है। उल्टा पिरामिड शैली के तीन भाग होते हैं :- इन्ट्रो, बॉडी तथा समापन।

चित्र :- उल्टा पिरामिड शैली

समाचार लेखन में छः ककारों के जवाब दिए जाते हैं :- क्या, कब, कौन, कहाँ, क्यों, कैसे।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

## प्रश्न (14) उत्तर :-

बच्च बच्चे अपनी माता के भोजन लेकर लौटने की प्रत्याशा में नीड़ों से झांक रहे होंगे। चिड़िया अपने बच्चों को घोंसले में छोड़कर सुबह भोजन की तलाश में घोंसले से निकलती है, दिनभर भोजन ढूँढकर वह शाम होते ही घोंसले की ओर जाती है वह दिन को जल्दी ढलता जल्दी ढलता देखकर शीघ्रता से अपने घोंसले की ओर बढ़ती है तथा बच्चे प्रतीक्षा में नीड़ों से झांकते हैं।

E S E

## प्रश्न (15) उत्तर :-

"आत्मा की छाया परमात्मा में पड़ने लगती है तथा परमात्मा की छाया आत्मा में, यही छायावाद है।

छायावाद की विशेषताएँ :-

(1) प्रकृति का सजीव सत्य के रूप में चित्रण तथा कवियों द्वारा अपने भावों का प्रकृति पर आरोपण।
(2) भाषा लाक्षणिक तथा वक्रता पूर्ण है।
(3) मुक्तक गीत शैली का प्रयोग।

P.T.O.

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

छायावाद के चार प्रमुख स्तंभ :- (1) जयशंकर प्रसाद - कामायनी
(2) सुमित्रानन्दन पन्त - पल्लव
(3) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - अनामिका
(4) महादेवी वर्मा - रश्मि

B S E

प्रश्न (16) काव्यगत परिचय :-

रघुवीर सहाय

(i) दो रचनाएँ :- (1) 'हँसो हँसो जल्दी हँसो'
(11) 'आत्महत्या के विरुद्ध'

(ii) भावपक्ष :- रघुवीर सहाय अज्ञेय द्वारा सम्पादित 'दूसरे तार-सप्तक' के कवि हैं। आपने अपनी रचना का आधार सामाजिक मतभेदों को रखा। आपकी रचना का विषय मध्यमवर्गीय लोग हुआ करते थे। रघुवीर सहाय ने समाज में पीड़ित शोषितों के प्रति दया भावना रखी। रघुवीर सहाय की रचनाएँ म हृदय को छू लेने वाली होती हैं।

P.T.O.

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

कलापक्ष :- रघुवीर सहाय की भाषा सरल, सहज तथा सरस खड़ी बोली है। शहरी होते हुए भी आपकी भाषा आम बोलचाल की भाषा रही। भाषा में जगह-जगह पर आवश्यकतानुसार फारसी एवं उर्दू शब्दों का प्रयोग है। रघुवीर सहाय ने अपनी भाषा में मुहावरों का भी सटीक प्रयोग किया है। आपकी भाषा शैली व्यंग्यात्मक रही जो समाज में कटाक्ष करने में सिद्धहस्त थी।

(iii) साहित्य में स्थान :- सहाय जी कवि, कथाकार तथा नाटककार थे। उन्होंने साहित्य को कई उत्कृष्ट रचनाएँ प्रदान कीं। आपके योगदान के साहित्य आपका सदैव आभारी रहेगा।

ISE

## प्रश्न (17) साहित्यिक परिचय :-

### महादेवी वर्मा

(i) दो रचनाएँ :- (I) 'नीरजा'
(II) 'रश्मि'
(III) 'अतीत के चलचित्र'

P.T.O.

BSE

प्रश्न क्र.

(ii) भाषा :- महादेवी वर्मा जी की भाषा अत्यन्त उत्कृष्ट है। आपकी भाषा संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली है। आपकी भाषा भावों को पूर्ण रूप से अभिव्यक्त करने में सक्षम है। महादेवी वर्मा ने आवश्यकतानुसार मुहावरे एवं लोकोक्तियों का प्रयोग अपनी रचनाओं में किया।

शैली :- महादेवी वर्मा ने निम्नलिखित शैलियों को मुख्यतः अपनाया :-

(1) सूत्रात्मक शैली :- महादेवी वर्मा कम से कम शब्दों में अधिक बात करने में सिद्धहस्त थीं।

(2) ~~अल~~ अलंकारिक शैली :- महादेवी वर्मा उच्च कोटि की लेखिका थी अतः उनका गद्य भी पद्य का सुख देता था।

(3) वर्णनात्मक शैली :- निबन्ध लेखन में प्रयोग।

(iii) साहित्य में स्थान :- महादेवी वर्मा छायावादी युग के चार प्रमुख स्तम्भों में से एक हैं। आपके जैसी महान लेखिका का सदैव साहित्य में उत्कृष्ट स्थान रहेगा।

P.T.O

प्रश्न क्र.

प्रश्न (18) उत्तर अथवा :-

| मुहावरा | लोकोक्ति |
| --- | --- |
| (i) मुहावरा एक वाक्यांश होता है। | (i) लोकोक्ति स्वयं एक वाक्य होती है। |
| (ii) मुहावरे स्वतंत्र नहीं होते। | (ii) लोकोक्तियाँ स्वतंत्र होती हैं। |
| (iii) मुहावरों में लाक्षणिक गुण होता है। | (iii) लोकोक्तियों में व्यांजिक गुण होता है अर्थात् व्यंग्यार्थ निकलता है। |
| (iv) मुहावरे छोटे होते हैं। | (iv) लोकोक्तियाँ बड़ी होती हैं। |
| उदा :- अँगूठा दिखाना। | उदा :- भैंस काला अक्षर भैंस बराबर। |

B
S
E 3

प्रश्न (19) अथवा उत्तर :-

(i) उत्तर :- शीर्षक :- राष्ट्रीय भावना : देशप्रेम और शौर्यभाव

(ii) उत्तर :- राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

(iii) उत्तर :- सुदीर्घ शब्द का अर्थ होगा विस्तृत, यहाँ पर पूर्वकाल से चले आ रहे विस्तृत इतिहास में स्व शौर्यभाव की प्रतिष्ठा को दर्शाया है।

प्रश्न (20) उत्तर :-

B

यह शिरीष ------------------------ मस्त रहते हैं।

S

संदर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह' के निबंध 'शिरीष के फूल' से अवतरित हैं इसके रचयिता हजारी प्रसाद द्विवेदी जी हैं।

E

प्रसंग :- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने शिरीष के फूलों की तुलना अवधूत से की है।

व्याख्या :- लेखक शिरीष के फूलों व सन्यासी में समानता बताते हुए कहते हैं कि शिरीष किसी अवधूत (सन्यासी) के समान है जो सांसारिक तत्वों से ऊपर उठा हुआ है। वह उसके जीवन मे सुख आए या दुख दोनों से प्रभावित नहीं होता उसी प्रकार शिरीष के फूल भी जेष्ठ की तपती धूप मे जब धरती अग्निकुण्ड बनी हुई है, हार नहीं मानते और अपने पूर्ण

प्रश्न क्र.

सौंदर्य के साथ ऊपर से नीचे तक खिलते हैं यह फूल वायुमण्डल से अपना रस खींचता है और अपनी आभा चारों ओर बिखेरता है। सन्यासी और शिरीष के फूल दोनों ही विषम परिस्थितियों में भी अपने जीवन का पूर्ण आनन्द उठाते हैं।

विशेष :- (i) अवधूत और शिरीष में समानता बताई गई है।
(ii) शुद्ध खड़ी बोली का प्रयोग है।

प्रश्न (21) अथवा उत्तर :-

प्रातः नभ ---------- धुल गई हो।

संदर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह' की कविता 'उषा' से अवतरित है इसके रचयिता शमशेर बहादुर सिंह है।

प्रसंग :- प्रस्तुत पद्यांश में सूर्योदय से पूर्व भोर के समय के आकाश का वर्णन किया गया है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

व्याख्या :- कवि कहता है कि सूर्योदय से पूर्व का दृश्य अति लुभानवीय है। आकाश का रंग नीले शंख के भांति दिख रहा है। जिस प्रकार किसी चूल्हे को राख से लीपने के बाद जो रंग उस गीले चूल्हे का होता है वह रंग उषा के समय के नभ का है। जब सुबह के समय किसी सिल (पत्थर) पर केसर पीसने पश्चात उसे धो दिया जाता है और जो रंग सिल का ता है वैसा रंग अब आकाश का दिख रहा है. प्रतीत होता है र्योदय होने ही वाला है। सूर्योदय से पूर्व के समय का आकाश इस प्रकार प्रतीत होता है।

य सौंदर्य :- (I) उषा के समय के आकाश के रंगो का वर्णन है।
(II) अलंकार युक्त खड़ी बोली है।

प्रश्न (22) निबंध :-

## विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व

रूपरेखा :- (I) प्रस्तावना (II) अनुशासन का महत्व
(III) विद्यार्थी और अनुशासन (IV) उपसंहार

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रस्तावना :- अनुशासन शब्द दो शब्दो से बना है अनु + शासन। शासन का अर्थ है नियम और अनु का अर्थ है पीछे चलना अतः अनुशासन का अर्थ होता है नियमो का पालन करना।

अनुशासन का महत्व :- अनुशासन का मनुष्य के जीवन मे बहुत बड़ा योगदान। प्रकृति भी अनुशासन का पालन करती है, सूर्य, चन्द्रमा आदि अपने समय के अनुसार निकलते और अस्त होते अतः प्रकृति भी हमें अनुशासन में रहने की प्रेरणा

BSE

~~शास्त्र~~ 'शासक बनकर यदि करना है शासन
तो छात्र जीवन से तपो और करो अनुशासन।

छात्र जीवन और अनुशासन :-

छात्र के जीवन में अनुशासन अति आवश्यक होता है गुरुओं का आदर करना तथा उनके बताए हुए रास्ते पर चलना ही किसी छात्र को जीवन मे सफल बना सकता है। क छात्र ही इस देश का भविष्य है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

हमारे देश का भविष्य छात्रों के कन्धों पर ही है। छात्र जीवन से ही यदि अनुशासित रहेंगे और अनुशासन का पालन करेंगे तब ही कोई भी व्यक्ति जीवन में सफलता की सीढ़ी चढ़ पाएगा।

उपसंहार :- अतः अनुशासित रहकर जीवन में सफलता पाएँ।

P.T.O.

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

## प्रश्न (ख) अथवा उत्तर :—

BHC 13
भोपाल,
दिनांक - 06-02-2024
प्रिय भाई,
प्रिय सुनीता,

आशा है तुम वहाँ सकुशल होगी। मैं भी यहाँ सकुशल हूँ। यह पत्र तुम्हें यह बताने के लिए लिख रही हूँ, मेरे बड़े भाई सुजीत का विवाह अगले महीने है. सब बहुत प्रसन्न हैं। तुम्हें तुम्हारे सम्पूर्ण परिवार के साथ विवाह में प्रस्तुत होना है। अपने परिवार को मेरा प्यार देना और विवाह से संबंधित जानकारी हेतु साथ में आमन्त्रण कार्ड भी भेज रही हूँ।

छोटे भाई को प्यार देना और माता-पिता को मेरा प्रणाम।

तुम्हारी सहेली,

BSE